गिरतों को जिसने संभाला | By Ram Kumar Lakha

गिरतों को जिसने संभाला,
ऐसा है अंजनी लाला,
पवनसुत बालाजी,
पवनसुत बालाजी,
सच्चा है दरबार मेरे बालाजी का,
मिलता है प्यार मेरे बालाजी का।

कामखेड़ा में जो भी,
आशा लेके आते हैं,
उन भक्तों की बाबा,
बिगड़ी बनाते हैं,
किस्मत का खोलेंगे ताला,
ऐसा है अंजनी लाला...

भूत प्रेतों से यहाँ,
पीछा छुड़ा लो रे,
कैसा भी हो संकट,
फंद कटा लो रे,
खुश कर देगा बजरंग बाला,
ऐसा है अंजनी लाला...

बालाजी के नाम की तो,
महिमा अपार है,
युग युग से ये तो,
करे चमत्कार है,
सबसे ही है जो निराला,
ऐसा है अंजनी लाला...

बालाजी के चरणों से,
प्रीत लगा लो रे,
अपने जनम को,
सफल तुम बना लो रे,
कर देगा मेहर मतवाला,
ऐसा है अंजनी लाला...

गिरतों को जिसने संभाला,
ऐसा है अंजनी लाला,
पवनसुत बालाजी,
पवनसुत बालाजी,
सच्चा है दरबार मेरे बालाजी का,
मिलता है प्यार मेरे बालाजी का।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%97%e0%a4%bf%e0%a4%b0%e0%a4%a4%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%95%e0%a5%8b-%e0%a4%9c%e0%a4%bf%e0%a4%b8%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%b8%e0%a4%82%e0%a4%ad%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%be-by-ram-kumar-lakha/